>

Title: Need to provide financial assistance for the protection of wildlife and local inhabitants in Sasangir, Gujarat.

श्री नारनभाई कछाड़िया (अमरेली): सभापति महोदय, गुजरात में सिंहों की संख्या में दिन-प्रतिदिन हो रही कमी की ओर मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करवाना चाहता हूं।

महोदय, हमारे शासन के जंगल में चार सौ से अधिक शेरों की संख्या है। पानी और आहार इत्यादि सुविधाओं के अभाव के कारण उनकी संख्या घटती जा रही है। सासन गिर एक बहुत ही ऐतिहासिक और सुंदर जंगल है, जिसके बीचों बीच बहुत से देवी-देवताओं के मंदिर हैं। लोग पूरे साल गिर वन में शेरों को देखने के लिए आते हैं। कुछ समय पहले हमारे पूर्व पर्यावरण मंत्री श्री जयराम रमेश ने भी वहां का दौरा किया था। हमारे देश के महान अभिनेता अमिताभ बच्चन भी वहां चार दिन रुके हुए थे। लेकिन मैं दुख के साथ यह कहना चाहता हूं कि गिर जंगल की देखभाल के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। वहां पानी, खाने और सिक्योरिटी की कोई व्यवस्था भारत सरकार ने आज तक नहीं की है।

महोदय, सासन गिर हमारे यहां का ऐतिहासिक स्थल है। यदि इस जंगल में वन्य प्राणी न होते तो इस जंगल की शोभा नहीं होती। इसलिए जंगल के वन्य प्राणियों को बचाने की आवश्यकता है। हमारी गुजरात सरकार ने सासन गिर वन के वन्य प्राणियों एवं यहां रहने वाले मालधारियों की सुरक्षा के लिए भारत सरकार 262 करोड़ रुपए की राशि की मदद के लिए दरख्वास्त भेजी है। इस जंगल में सिंह के अलावा कुछ मालधारी रहते हैं, जो गाय-भैंस पालकर और उनका दूध बेचकर अपना गुजर-बसर करते हैं। वे जंगल में ही रहते हैं, उनके बच्चों के लिए जंगल में पढ़ने-लिखने, स्वास्थ्य, सड़क, घर और बिजली की कोई सुविधा नहीं है। मेरा भारत सरकार से अनुरोध है कि इस जंगल में मनुष्य जानवर की जिंदगी जी रहा है, उनके लिए किसी स्कूल, बाज़ार इत्यादि की व्यवस्था नहीं है। इसलिए उन्हें इस जंगल से उठाकर किसी अन्य जगह बसाया जाए ताकि वह अपनी जिंदगी अच्छे से गुज़ार सके। उसके बच्चों को शिक्षा मिल सके और उसके परिवार का भरण-पोषण सही तरीके से हो सके। साथ ही वहां के वन्य प्राणियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके।